सम्पूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय, वाराणसी

द्वारा

ऑनलाइन संस्कृत प्रशिक्षण केन्द्र के अन्तर्गत प्रस्तावित

ज्योतिष एवं कुंडली विज्ञान पाठ्यक्रम

समन्वयक

प्रो0 अमित कुमार शुक्ल

अध्यक्ष– ज्योतिषविभाग

सह–समन्वयक

डॉ. मधुसूदन मिश्र एवं डॉ. राजा पाठक

सहायक आचार्य– ज्योतिषविभाग

पाठ्यक्रम उद्देश्य

ज्योतिष एंव कुंडली विज्ञान पाठ्यक्रम के निम्नलिखित उद्देश्य है –

1– ज्योतिष शास्त्र के प्रति जन जागरूकता उत्पन्न करना।

2– ज्योतिष शास्त्र के व्यावहारिक पक्षों से जन सामान्य को लाभान्वित करना।

3– ज्योतिष शास्त्र के प्रति विद्यमान भ्रामक अवधारणाओं को दूर करना।

4– ज्योतिष शास्त्र के वैज्ञानिक पक्षों को भारतीय ज्ञान परम्परा के अनुरूप विश्व पटल पर स्थापित करना।

पाठ्यक्रम संरचना

ज्योतिष एंव कुंडली विज्ञान विषय के अन्तर्गत–

1– त्रैमासिक, षाण्मासिक, एवं वार्षिक पाठ्यक्रम संचालित होंगे।

2– त्रैमासिक एंव षाण्मासिक प्रमाण पत्रीय पाठ्यक्रम होंगे।

3– वार्षिक पाठ्यक्रम डिप्लोमा पाठयक्रम होगा।

4– त्रैमासिक, षाण्मासिक, एवं वार्षिक पाठ्यक्रम षाण्मासिक डिप्लोमा में क्रमशः कुल 45, 90, एवं 180 कालांश होंगे।

5– पाठ्यक्रम में कालांश की अवधि एक घंटे की होगी।

6– प्रत्येक पाठ्यक्रम में 04 पत्र होंगें ।

7– सप्ताह में पांच कार्यदिवसों में सांयकाल निर्धारित समयानुसार कक्षायें ऑनलाइन प्रचलित होंगी।

।। षाण्मासिक प्रमाणपत्रीय पाठ्यक्रम।।

(Six -months Certificate Course)

प्रथम–पत्र (ज्योतिषशास्त्र का परिचय)

क्रेडिट –01

पूर्णांक –100

उत्तीर्णांक –36

शीर्षक	पाठ्य विषयवस्तु	कालांश (घंटों में)
ज्योतिष शास्त्र का परिचय	➢ ज्योतिष शास्त्र का परिचय ➢ ज्योतिष शास्त्र के भेद (सिद्धान्त,संहिता, होरा,वास्तु,रमल,प्रश्न, शकुन, ताजिकादि का परिचय)	03
पंचांग परिचय	➢ पंचांग परिचय – तिथि, वार,नक्षत्र, योग,करण,अयन,गोल,पक्ष,ऋतु, मासादि का परिचय ।	04
कालमान विचार	➢ नवविध कालमान– ब्राह्म,दिव्य, गौरव,प्राजापत्य, सौर,नाक्षत्र आदि कालमानों का परिचय । ➢ शक संवत् विचार ।	04
ज्योतिषशास्त्र के प्रमुख आचार्यों का परिचय	➢ ज्योतिषशास्त्र का विकासक्रम। ➢ आर्यभट्,वराहमिहिर,ब्रह्मगुप्त,श्रीपति, भास्कर, कमलाकर,सामन्तचन्द्र शेखर आदि का परिचय ।	04
ज्योतिषशास्त्रीय प्रमुख कृतियां	➢ सूर्यसिद्धान्त,पंचसिद्धान्तिका,बृहत्संहिता,सिद्धान्त शिरोमणि,बृहज्जातक आदि का परिचय ।	03
ज्योतिषशास्त्र के विविध वैज्ञानिक पक्ष	➢ ज्योतिषशास्त्र का समसामयिक स्वरूप ➢ विविध वैज्ञानिक पक्ष (चिकित्सा, कृषि,वृष्टि आदि का विवेचन)	04

द्वितीय–पत्र (कुण्डली परिचय)

क्रेडिट –01
पूर्णांक –100
उत्तीर्णांक –36

शीर्षक	पाठ्य विषयवस्तु	कालांश (घंटों में)
राशि परिचय	➢ राशि स्वरूप ➢ राशि स्वामी ➢ राशि स्वभाव ➢ राशि वर्ण ➢ राशि स्थान ➢ कालपुरूष विवेचन	03
ग्रह परिचय	➢ ग्रह स्वरूप ➢ उच्च नीच विचार ➢ मूलत्रिकोण ➢ आत्मादि विचार ➢ राजादि विचार	02
ग्रहबलविचार एवं मैत्री विचार	➢ षड्बलविचार ➢ नैसर्गिक एवं तात्कालिक मित्रामित्र विचार ➢ पंचधा मैत्री विचार (मित्र,सम,शत्रु आदि का विचार)	03
कुण्डली परिचय	➢ कुण्डली का सामान्य परिचय ➢ द्वादश भाव विचार ➢ भावकारक ग्रह विचार ➢ भावों की केन्द्रादि संज्ञा विचार, ➢ विविध भावों से विचारणीय विषय ➢ ग्रहों से विचारणीय विषय	04
वर्ग परिचय	➢ षड्वर्ग ➢ सप्तवर्ग	04

	➢ दशवर्ग ➢ षोडशवर्ग	
कुण्डली अवलोकन विधि	➢ ग्रह दृष्टि ➢ ग्रह अवस्था ➢ भाव राशि व ग्रह सम्बन्ध	03
दशा परिचय	➢ विंशोत्तरी दशा ➢ अष्टोत्तरी दशा ➢ योगिनी दशा	03

तृतीय पत्र (कुण्डली निर्माण विधि)

क्रेडिट –01
पूर्णांक –100
उत्तीर्णांक –36

शीर्षक	पाठ्य विषयवस्तु	कालांश (घंटों में)
कुण्डली निर्माण विधि	➢ इष्टकाल ज्ञान ➢ भयात– भभोग साधन	02
कुण्डली निर्माण विधि	➢ स्पष्ट चन्द्र साधन ➢ ग्रह चालन	03
कुण्डली निर्माण विधि	➢ पलभा एवं चरखंड ज्ञान ➢ स्वदेशोदय साधन	02
कुण्डली निर्माण विधि	➢ अयनांश ➢ लग्नसाधन	04
कुण्डली निर्माण विधि	➢ नतकाल साधन ➢ दशमलग्न साधन	03
कुण्डली निर्माण विधि	➢ द्वादश भाव साधन	02
कुण्डली निर्माण विधि	➢ षड्वर्गसाधन ,लग्न,होरा ➢ द्रेष्काण,नवांश ➢ द्वादशांश ➢ त्रिंशांश	04
कुण्डली निर्माण विधि	➢ विंशोत्तरी महादशा ➢ अर्न्तदशा	02

चतुर्थ पत्र (मुहूर्त्त एवं मेलापक परिचय)

क्रेडिट –01

पूर्णांक –100

उत्तीर्णांक –36

शीर्षक	पाठ्य विषयवस्तु	कालांश (घंटों में)
नक्षत्र विचार	➢ नक्षत्र स्वरूप ➢ नक्षत्र स्वामी ➢ दग्ध नक्षत्र विचार ➢ नक्षत्रों का वर्गीकरण (ध्रुव,मृदु,क्षिप्रादि का परिचय)	04
विविध मुहूर्त्त विचार	➢ मृत तिथिविचार ➢ सर्वार्थसिद्धियोग विचार ➢ वर्ज्य पंचांग दोष ➢ भद्रा विचार ➢ पंचक विचार ➢ मृत्युयोग विचार ➢ शून्य मास विचार ➢ पंचांग शुद्धि विचार	04
मुहूर्त्त घटक विचार	➢ गुरू, शुक्र अस्तादि विचार, ➢ सिंहस्थ गुरू विचार ➢ होलाष्टक विचार ➢ लग्नशुद्धि विचार	02
विविध व्यावहारिक मुहूर्त्त	➢ क्रय–विक्रय ➢ यात्रा ➢ वाहन क्रय ➢ गृहारंभ एवं गृहप्रवेश ➢ नामकरण ➢ अन्नप्राशन ➢ चूडाकरण	04

	➢ यज्ञोपवीत ➢ द्विरागमन	
विवाह मुहूर्त्त विचार	➢ कन्या एवं वर वरण मुहूर्त्त ➢ विवाह काल निर्धारण ➢ विवाह में ग्रहशुद्धि विचार ➢ विवाह मुहूर्त्त विचार ➢ विवाह में विविध दोष विचार एवं परिहार।	03
विवाह मेलापक	➢ अष्टकूट ➢ वर्ण ➢ वश्य ➢ तारा ➢ योनि ➢ ग्रहमैत्री ➢ गणमैत्री ➢ भकूट ➢ नाडी	04
मंगलिक विचार	➢ भौमदोष विचार ➢ भौमदोष परिहार विचार	01
दोषशांति विचार	➢ अशुभ योगो के परिहार एवं शमन ➢ ग्रह रत्न धारण ➢ ग्रहदोष शांति ➢ गंडमूल शांति मुहूर्त्त विचार ➢ विवाह में विविध दोष एवं परिहार	02

सहायक एवं सन्दर्भ ग्रन्थ –

1.मुहूर्त्तचिंतामणि

2.भारतीय ज्योतिष

3.भारतीय कुंडली विज्ञान

4.लघुजातकम्

5.जातकालंकार

6.जातकपारिजात

7.ताजिकनीलकंठी

8.षट्पंचाशिका

9.जातकतत्वम्

10. सूर्यसिद्धान्त